eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 09, September 2024

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की संचालन दक्षताः एक विस्तृत अध्ययन

विद्या भूषण[1], प्रो0 राजेश चन्द्र मिश्र[2]
[1]शोधार्थी, हीरालाल रामनिवास पी0जी0 कालेज, खलीलाबाद, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश
[2]वाणिज्य विभाग, हीरालाल रामनिवास पी0जी0 कालेज, खलीलाबाद, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश

Received: 15 Sep 2024 Accepted & Reviewed: 25 Sep 2024, Published : 30 Sep 2024

Abstract

यह शोध पत्र इस उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की संचालन दक्षता का एक विश्लेषणात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत किया जा सके। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, एक सार्वजनिक उपक्रम है जो उत्तर प्रदेश राज्य में परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। जैसे–जैसे समय गुजरा, निगम को नयी–नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जैसे– गुणवत्तायुक्त सेवा का विस्तार, निजी परिवहन सेवाओं में वृद्धि तथा उनसे प्रतिस्पर्धा और वित्तीय दबाव इत्यादि। प्रस्तुत शोध पत्र इस उद्देश्य से किया गया है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की संचालन दक्षता, सेवा गुणवत्ता, संगठनात्मक संरचना और वित्तीय दक्षता का एक विश्लेषणात्मक मूल्यांकन किया जा सके।

शोध पत्र में विश्लेषण हेतु उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की वित्तीय दस्तावेजों, वार्षिक रिपोर्टों तथा ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं का गहन अध्ययन किया गया है। अध्ययन उपरान्त यह देखा जाता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपनी लाभप्रदता बढ़ाने हेतु कई मौकों पर व्यापक सुधार की आवश्यकता है। जैसे– अपने संचालन प्रक्रिया में, विशेषकर सेवा की समयबद्धता, लागत प्रबन्धन और ग्राहक सन्तुष्टि इत्यादि। प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन उपरान्त यह पूर्ण विश्वास से कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने कार्यशैली में प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी नवाचारों और प्रभावी प्रबन्ध प्रथाओं को अपनाने की विशेष आवश्यकता है। ये सुधार न केवल निगम की संचालन दक्षता को कुशल बनाने में सहायक होंगे, बल्कि इसे एक प्रतिस्पर्धी सार्वजनिक परिवहन सेवा तथा विश्वसनीय सेवा के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगे। अन्ततः यह शोध पत्र उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की दीर्घकालीन सफलता तथा राज्य की परिवहन प्रणाली में उसके महत्त्वपूर्ण सहयोग को सुनिश्चित करने में एक विशेष प्रयास है।

मुख्य शब्द– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, वित्तीय प्रबन्धन, संचालन दक्षता, ग्राहक संतुष्टि, UPSRTC, तकनीकी, नवाचार, सार्वजनिक परिवहन, मूल्यांकन, आँकड़ा, उद्देश्य, विश्लेषणात्मक, गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, प्रबन्धन क्षमता, उत्पादकता।

Introduction

भारत में सार्वजनिक सड़क परिवहन का राष्ट्रीयकरण बीसवीं शताब्दी की देन है। सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश में सड़क परिवहन व्यवस्था में निजी क्षेत्रों का योगदान रहा। निजी व्यवस्था में कई लापरवाही पायी गई। जैसे– मनमाना किराया, ओवरलोडिंग, अकुशल वाहनों का प्रयोग तथा यात्रियों की सुख–सुविधाओं पर ध्यान न देना। परिणामतः उत्तर प्रदेश सरकार ने विभागीय संगठन के माध्यम से राजकीय बस सेवा प्रारम्भ करने का निर्णय लिया। प्रथम राजकीय बस सेवा 15 मई, 1947 को लखनऊ और बाराबंकी के मध्य प्रारम्भ किया

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 09, September 2024

गया। 1947 में प्रारम्भ उत्तर प्रदेश में बस सेवा के विभागीय स्वरूप को केन्द्रीय सरकार के द्वारा 1950 में पारित केन्द्रीय सड़क परिवहन अधिनियम के द्वारा सन् 1972 में एक निगमीय स्वरूप दिया गया। तत्पश्चात् 1 जून, 1972 को ''उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम'' की स्थापना हुई।

वर्तमान में निजी परिवहन व्यवस्था द्वारा काफी प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बना दिया गया है, जिस कारण उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के सामने भी नई–नई कठिनाइयाँ खड़ी हो गई हैं जैसे– निजी परिवहन सेवाओं से प्रतिस्पर्धा, बढ़ते परिचालन खर्च, ग्राहकों को गुणवत्तायुक्त सेवा देना और वित्तीय निर्भरता इत्यादि। इतनी समस्याओं के होने के बाद भी उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने राज्य में अपनी पहचान एक गुणवत्तायुक्त, आम जनता योग्य सेवा प्रदाता के रूप में उपस्थिति दर्ज कर रखी है।

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की विशेषकर संचालन दक्षता का विश्लेषणात्मक मूल्यांकन करना है। यहाँ संचालन दक्षता में कई पक्ष को शामिल किया गया है जैसे– वित्तीय प्रबन्धन, प्रबन्धन क्षमता, संगठनात्मक संरचना और सेवाओं में गुणवत्ता का समावेश इत्यादि। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के पिछले कुछ वर्षों के आँकड़ों का प्रयोग किया गया है, जिससे कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के संचालन दक्षता का व्यापक विश्लेषणात्मक मूल्यांकन किया जा सके। परिणामस्वरूप निगम को व्यापक महत्त्वपूर्ण सुझाव दिया जा सके।

अध्ययन का महत्त्व (Signifacance of Study) :

केन्द्रीय अधिनियम 1950 की धारा 18 में इस बात को स्पष्ट किया गया है कि निगम का कर्तव्य यह होगा कि वह अपने यात्रियों को कुशल पर्याप्त एवं मितव्ययी बस सेवाएँ उपलब्ध करायेगा। इस अधिनियम के माध्यम ये यह समझने का प्रयास किया जायेगा कि अगर निगम को भविष्य में अपने लाभप्रदता तथा ग्राहक सन्तुष्टि में वृद्धि करनी है तो उसको पूर्व में की गयी गलतियों को कहाँ–कहाँ सुधार की आवश्यकता है। शोध पत्र उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने संचालन प्रक्रिया में एक सुधारात्मक सुझाव प्रदान करेगा, जिससे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने यात्रियों को एक बेहतर सुविधायुक्त सेवा दे पाये और साथ ही साथ अपनी सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक और संचालन नीति को और स्थिर बना पाये।

अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of Study) :

प्रस्तुत शोध पत्र के निम्नलिखित उद्देश्य हैं–

1. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रति महत्त्वपूर्ण सुझाव देना।
2. निगमीय वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना।
3. निगम के संचालन दक्षता का मूल्यांकन करना।
4. ग्राहक संतुष्टि तथा सेवा गुणवत्ता का विश्लेषण करना।
5. संगठनात्मक संरचना का अध्ययन।
6. प्रबन्धन का अध्ययन।
7. विशेष रूप से संचालन हेतु महत्त्वपूर्ण सुधार की सिफारिशें करना।

अनुसंधान पद्धति (Research Methodology) :

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 09, September 2024

प्रस्तुत शोध पत्र एक वर्णनात्मक तथा विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण पर आधारित है। यहाँ उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वित्तीय आँकड़ों, ग्राहकों के सर्वेक्षणों से प्राप्त आँकड़ों और वार्षिक रिपोर्टों का प्रयोग किया गया है।

डेटा/आँकड़ा संग्रह स्रोत (Sources of Data Collection) :

शोध पत्र में जो भी आँकड़ों का प्रयोग किया गया है वे सभी द्वितीय आँकड़े हैं, जिनको उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की वार्षिक रिपोर्ट, वित्तीय दस्तावेज, पत्र–पत्रिकाओं से और सम्बन्धित शोध पत्रों से प्राप्त किया गया है।

1. Avg. No. of Buses hold

Porticular		2020	2021	2022	2023	2024	Growth
	Corporation	9463	9355	8930	7873	9119	1246
	Hired	2683	2525	2363	2711	3078	367
	Total	12145	11880	11293	10584	12197	1613

2. Avg. No. of Road Buses

Porticular		2020	2021	2022	2023	2024	Growth
	Corporation	9258	8792	8323	7429	8632	1303
	Hired	2678	2522	2356	2700	3073	373
	Total	11936	11314	10679	10129	11705	1576

3. Percentage of on Road Buses

2020	2021	2022	2023	2024	Growth
48 %	94%	93%	94%	95%	01

4. Total Earned Kms. (In lakhs)

Porticular		2020	2021	2022	2023	2024	Growth	%
	Corporation	45.36	909.07	806.60	810.77	434.92	124.15	15.31
	Hired	0.68	230.32	233.79	255.06	293.17	38.11	14.94
	Other	0.05	0.38	2.53	2.10	6.07	3.97	189.05
	Total	46.09	1139.77	1042.42	1067.93	1234.16	166.23	15.57

Buse Utilization (Kms./Bus/Day)

Particular		2020	2021	2022	2023	2024	Growth
	Corporation	16	325	301	343	342	-1
	Hired	01	304	330	314	317	3
	Total	13	320	307	336	336	0

No. of Passengers {arried in lakhs)}

Porticular		2020	2021	2022	2023	2024	Growth	%
	Corporation	1.76	206.68	253.36	242.77	269.95	27.18	11.20
	Hired	0.13	123.32	149.56	150.44	188.04	37.60	24.99
	Other	-	-	-	-	-	-	-
	Total	1.892	330.0	402.92	393.21	457.99	64.78	16.47

Buse Utilization (Kms./Bus/Day)

Porticular		2020	2021	2022	2023	2024	Growth
	Corporation	177	77	67	60	71	11
	Hired	158	64	68	63	69	6
	Total	177	74	67	61	71	10

Fuel Avg. (Kms./Lt)

2020	2021	2022	2023	2024	Growth
53.54	5.29	5.29	5.37	5.43	0.06

Top-Up Avg. (Kms./Lt)

2020	2021	2022	2023	2024	Growth
4724	3676	2657	2991	4230	1239

Income/Bus/Day

		2020	2021	2022	2023	2024	Growth
Porticular	Corporation	1535	13032	10708	13675	16264	2589
	Hired	60	9656	11096	11988	13153	1165
	Total	1209	12314	10789	13243	15479	2236

Exp./Bus/Day

		2020	2021	2022	2023	2024	Growth
Porticular	Corporation	5786	40428	12218	13648	13515	-133
	Hired	400	10274	11340	11592	12139	547
	Total	4597	10395	12082	13121	13168	47

आँकड़ा विश्लेषण तथा निष्कर्ष

वर्ष	व्यय (लाख में)	आय (लाख में)	लाभ/हानि (लाख में)	स्थिर लागत (लाख में)	परिवर्तनीय लागत (लाख में)	बसों की औसत संख्या	मूल्य ह्रास
2020	57159.4	67493	10333.1	24776.2	32384.6	7702.8	1508.48
2021	63908	77754.4	13846.4	26444.6	37464.4	7441.2	1564.12
2022	70656.1	88015.8	17359.7	28113	42544.2	7179.6	1619.77
2023	77404.2	98277.2	20873	29781.4	47624	6918	1675.42
2024	84152.3	108538.6	24386.3	31449.8	52703.8	6656.04	1731.06

उपरोक्त आँकड़ों का विश्लेषण के उपकरण और तकनीक :

विश्लेषण के लिए SPSS तथा Excel सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आँकड़ों का सांख्यिकी विश्लेषण किया गया है। विभिन्न चार्ट तथा ग्राफ का उपयोग करके परिणामों की व्याख्या की गई है। उपरोक्त तालिकाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के विभिन्न पहलुओं को जैसे– आय, व्यय, लाभ, हानि, स्थिर लागत, परिवर्तनीय लागत, बसों की औसत संख्या, मूल्यह्रास, परिचालन में बसों की संख्या, तय की गई दूरी (कि0मी0), बसों की उपयोगिता, यात्रियों की संख्या की व्याख्या, Occupancey Ratio,

ईंधन उपयोगिता, प्रति बस व्यय, इत्यादि को विस्तृत रूप से व्याख्या किया गया है, जिसको बड़ी आसानी से समझा जा सकता है तथा निगम के प्रति अपनी राय बनाई जा सकती है।

वित्तीय प्रदर्शन का विश्लेषण :

इस खण्ड में राज्य सड़क परिवहन निगम की वित्तीय स्थिति का व्यापक मूल्यांकन किया गया है। यहाँ प्रमुखता से लाभ/हानि, आय–व्यय, लागत, ह्रास विभिन्न वित्त सम्बन्धित क्षेत्र की व्याख्या तालिका द्वारा आसानी से किया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वित्तीय स्थिति, लाभप्रदता को समझा जा सकता है तथा उसको अपने लाभों को और बढ़ाने हेतु कहाँ–कहाँ सुझाव दिया जा सकता है, इसका पता चलता है।

ग्राहक सेवा/सन्तुष्टि :

प्रस्तुत शोध पत्र में ग्राहक सेवा गुणवत्ता के महत्त्व की भी व्याख्या की गयी है। क्योंकि अगर किसी भी उपक्रम के द्वारा अपने ग्राहकों को अपनी सेवा से सन्तुष्टि नहीं दी जायेगी तो यह निश्चित है कि भविष्य में उसको नुकसान उठाना पड़ेगा ही। समय–समय पर ग्राहकों की प्रतिक्रिया भी लेते रहना चाहिए, जिससे यह पता चलता रहे कि अपने कार्यों में कहाँ–कहाँ सुधार किया जा सकता है।

संगठनात्मक दक्षता का विश्लेषण :

शोध पत्र में दिये गये आँकाड़ों की व्याख्या से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपने यहाँ संगठनात्मक दक्षता पर अपना ध्यान केन्द्रित रखा, जिसकी गवाही आँकड़े देते हैं। लाभप्रदता में लगातार वृद्वि, व्यय में अनुपातः कमी, नयी तकनीक का प्रयोग, कर्मचारियों का प्रशिक्षण, सही क्षेत्र का चुनाव, वाहनों का चुनाव, रख–रखाव इत्यादि का बेहतर प्रदर्शन बताता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपने संगठनात्मक दक्षता में काफी सकारात्मक काम किया है।

निष्कर्ष :

इस शोध पत्र में विभिन्न तरीकों से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की संचालन दक्षता, वित्तीय स्थिति, लाभ–हानि, आय–व्यय इत्यादि का विस्तृत स्तर पर विश्लेषण करने के पश्चात् यहाँ यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सेवा में अभी बहुत सुधार की आवश्यकता प्रतीत हो रही है। विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने कार्यशैली में समयबद्धता तथा ग्राहक सन्तुष्टि में व्यापक स्तर पर सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि किसी भी कार्य में यदि समयबद्धता का ध्यान नहीं दिया जायेगा तो उस कार्य का भविष्य निश्चित ही अंधकारमय होगा ही और कोई भी व्यवसाय या उपक्रम यदि अपने ग्राहक (यात्रियों) की सन्तुष्टि पर ध्यान नहीं देगा तो कितना भी अच्छा प्रबन्धन, संचालन–नीति, पूँजी की व्यवस्था क्यों न कर ली जाय, ग्राहक सन्तुष्टि वगैर सब एक दिन समाप्त ही हो जाना है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने वित्तीय प्रदर्शन में भी और बेहतर करने की आवश्यकता है, जिसको वे अपने व्यय पर नियंत्रण से कर सकता है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने संगठनात्मक दक्षता में नवीनतम् प्रबन्धन तकनीक का समावेश करने की

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 09, September 2024

आवश्यकता है, जिससे कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपनी क्षमता का पूर्णतः उपयोग कर सके।

सिफारिशें (Recommendations) :

1. अपने सेवाओं में समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाय।
2. ग्राहक सन्तुष्टि के लिए नवीनतम् तकनीक का समावेश किया जाय।
3. व्यय में कमी लायी जाय तथा आय वृद्धि हेतु तकनीक का प्रयोग किया जाय।
4. कर्मचारियों हेतु उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था किया जाय, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ाया जा सके।
5. कार्यशैली में डिजिलीकरण का भरपूर समावेश किया जाय।
6. विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाय।
7. वाहनों का व्यापक स्तर पर देख–रेख किया जाय।
8. सी0एन0जी0 तथा विद्युत चालित वाहनों की संख्या में वृद्धि किया जाय।
9. रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्तियाँ की जाय।
10. यात्रा को ज्यादा से ज्यादा सुविधाजनक बनाया जाय।
11. ज्यादा उत्पादक मार्गों पर विशेष ध्यान दिया जाय।
12. कम उत्पादक मार्गों को चिन्हित किया जाय तथा वहाँ व्यापक स्तर पर सुधार किया जाय।

उपसंहार :

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन सेवा में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है तथा इतनी बड़ी जनता को अपनी तमाम आवश्यकताओं के लिए हमेशा यातायात साधनों की आवश्यकता होती है, जिसकी पूर्ति उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम बड़े स्तर पर करता है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की संचालन दक्षता केवल अपने यात्रियों को समयबद्ध यात्रा तथा सुरक्षित यात्रा प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि इनकी यह भी जिम्मेदारी है कि यह राज्य की सामाजिक संरचना और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में व्यापक स्तर पर योगदान दे।

इस शोध पत्र के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के संचालन दक्षता को विभिन्न तरीकों से समझाया गया है, जिससे यह बात तो स्पष्ट हो जाती है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने संचालन दक्षता को बेहतर बनाने हेतु सेवा की गुणवत्ता, वित्तीय प्रबन्धन, प्रबन्धन और संगठनात्मक दक्षता में व्यापक स्तर पर सुधान की आवश्यकता है। हालाँकि पिछले कुछ वित्तीय वर्षों में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने अपने सेवा विस्तार तथा वित्तीय प्रदर्शन में काफी स्तर तक उल्लेखनीय विकास किया तो है, लेकिन यह विकास पर्याप्त नहीं है। अभी भी बहुत सी चुनौतियाँ उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के सामने खड़ी हैं जैसे– व्यय को कैसे कम किया जाय, नई तकनीक का समावेश, आधुनिक वाहनों का प्रयोग, कर्मचारियों का प्रशिक्षण, सुविधायुक्त यात्रा, समयबद्धता, ग्राहक सन्तुष्टि तथा परिचालन लागत को कम करना इत्यादि।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 09, September 2024

उपर्युक्त सुझावों के आधार पर यदि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम सभी सुझावों को ससमय अपने यहाँ अपनाता है तो निश्चित ही उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने भविष्य को उज्ज्वल करेगा तथा अपने साथ–साथ राज्य के सामाजिक संरचना तथा आर्थिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगा और निजी परिवहन सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा में भी बेहतर प्रदर्शन करेगा।

समय–समय पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को हमेशा अपने कार्यशैली में नवीनतम् तकनीक का प्रयोग कर अपनी संचालन दक्षता का विकास करते रहना चाहिए, जिससे निगम दीर्घकालीन सफलता और राज्य परिवहन नेटवर्क में उसकी प्रमुखता को सुनिश्चित करेगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रयासों से न केवल यात्रियों को सुविधायुक्त यात्रा सेवाएँ मिल पायेगी, बल्कि इससे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम राज्य की सामाजिक और आर्थिक विकास में भी एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ेगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के संचालन दक्षता का सुधार न केवल निगम के भविष्य को सुरक्षित करेगा, बल्कि राज्य की परिवहन प्रणाली को भी अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपनी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, संगठनात्मक सुधार और सेवा में नवाचार पर लगातार अपना ध्यान केन्द्रित करना होगा, जिससे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम भविष्य में एक बेहतर उदाहरण के तौर पर उभर सके तथा देश के विभिन्न राज्यों के लिए एक बेहतरीन माडल (उदाहरण) के रूप में कार्य कर सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :

1. राज्य सड़क परिवहन उपक्रमों का SWOT विश्लेषण, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का एक केस स्डटी, इन्टरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च इन इन्जीनियरिंग एण्ड एप्लाइड साइंसेज, 5 (8), 1–11, एस0 देवी।
2. भारत में राज्य परिवहन उपक्रम : सुधार और निजीकरण की रणनीतियाँ, इन्टरनेशनल जर्नल आफ पब्लिक सेक्अर मैनेजमेण्ट, 6 (5), आर0के0 मिश्रा एवं आर0 नन्दगोपाल।
3. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की वार्षिक रिपोट।
4. सम्पादकीय लेख–
   अ– दैनिक जागरण
   ब– अमर उजाला
5. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वित्तीय निष्पादन का मूल्यांकन, कमला वारिस।
6. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की कार्य प्रणाली का विश्लेषणात्मक अध्ययन, श्रीमती मंजू गुप्ता।
7. उत्पादकता तथा लाभ प्रदाता के प्रदर्शन की तुलना– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का एक अध्ययन, भारतीय अर्थशास्त्र और व्यापार पत्रिका, 13(1), 97–114, एस0के0 सिंह।
8. भारत में राज्य सड़क परिवहन उपक्रम–स्थिति और मुद्दे, एस0 के0 सिंह।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 03, Issue 09, September 2024

9. सार्वजनिक परिवहन में ई–गवर्नेस– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ए केस स्टडी, इन्टरनेशनल कान्फ्रेन्स आफ साफ्टवेयर एण्ड कम्प्यूटर अप्लीकेशन, काठमाण्डू, पृष्ठ : 1–2, ए0 के0 भारती एवं एस0के0 द्विवेदी।

10. सेवा गुणवत्ता और यात्री सन्तुष्टि में महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ : आगरा जिले में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का एक अनुभवजन्य अध्ययन, आदर्श जनरल आफ मैनेजमेण्ट आफ रिसर्च, 6 (2), 4–16, एम0 कुमार एवं एम0 आनन्द।

11. भारत में सार्वजनिक परिवहन के निजीकरण में विनियामक चुनौतियाँ, पी0 सिंह।

12. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में ग्राहक केन्द्रित पहल और ग्राहक शिकायत प्रणाली का विश्लेषण, 346, ए0 अग्रवाल एवं ए0 कुमार।